मान लीजिए कि मेरठ या मुजफ्फरनगर में किसी को गंभीर हैड इंजरी हो जाए, तो उसके लिए यहां इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। मेरठ में भी कुछ खास बेहतर ट्रीटमेंट की संभावना नहीं है। ऐसे में घायल को दिल्ली ले जाना होता है, जहां से कम से कम ढाई घंटे का समय लगता है, इस दौरान पता नहीं कि कितनी मौतें हो जाती हैं।

अत: आप के माध्यम से मेरा सरकार से आग्रह है कि मेरठ में एक नया 'एम्स' खोला जाए, जिससे लाखों मरीजों का इलाज सुविधाजनक तथा बेहतर हो जाए, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The next Special Mention is of Shri Harnath Singh Yadav.

Demand to provide information in Hindi/regional languages at airports and their naming after renowned personalities

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं देश के सम्मान से जुड़े अति महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मान्यवर जब हम हवाई यात्रा करते हैं तो हवाई अड्डे व हवाई जहाजों में अंग्रेज़ी भाषा का पूर्ण वर्चस्व देखने को मिलता है। अपनी भाषा तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का नामो-निशान दिखाई नहीं देता है। हवाई अड्डा परिसर में प्रवेश करते ही ऐसा लगता है कि मानो हम भारत में नहीं किसी अन्य विदेशी देश की सीमा में प्रवेश कर गये हैं। समस्त संकेतक, सूचना पट्टिकाएं, पत्र-पत्रिकाएं, भोजन, जलपान के साथ नमक, काली मिर्च आदि के पैकेट सब अंग्रेज़ी में देखने को मिलते हैं। हवाई मार्ग सेवाओं के नाम सभी अंग्रेज़ी में हैं। टिकट अंग्रेज़ी में, उद्घोषणाएं अंग्रेज़ी में होती हैं।

सम्पूर्ण दृश्य देखकर लगता है कि मानो हमारी अपनी कोई भाषा ही नहीं है और न ही हमारी कोई सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत है।

मान्यवर, हम कुछ मायनों में इंडोनेशिया से प्रेरणा ले सकते हैं, उन्होंने इंडोनेशिया की राष्ट्रीय सरकारी विमान सेवा का नाम इंडोनेशिया के राष्ट्रीय प्रतीक पवित्र पक्षी गरुड़ के नाम पर रखा है।

हवाई अड्डों व हवाई जहाजों में अंग्रेज़ी भाषा का आधिपत्य करोड़ों भारतीयों के मन को उद्वेलित करता है और हीन भावना पैदा करता है।

अत: मैं सरकार से आपके माध्यम से मांग करता हूं कि हवाई अड्डों व हवाई जहाजों पर समस्त संकेतक सूचना पट्ट, भोजन, जलपान आदि के डिब्बों पर पहले हिन्दी अथवा क्षेत्रीय भाषाओं तथा बाद में अंग्रेज़ी भाषा में लेखन होना चाहिए तथा हवाई जहाजों व अड्डों के नाम देश के महापुरुषों व श्रद्धा व विश्वास के केन्द्र के नाम पर होने चाहिए।

डा.सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

ANNOUNCEMENT BY THE CHAIR

श्री उपसभापति: श्री नारायण दास गुप्ता। अनुपस्थित।

माननीय सदस्यगण, जैसा आप सबने आम सहमति बनाई थी और चेयर को यह सूचना दी थी कि सोमवार यानी 10 तारीख को सुबह से बजट पर आप बहस करना चाहेंगे। उसके बारे में मैं पुन: सूचित करूं, As we have agreed, the discussion on General Budget will start at 11.00 a.m. on Monday, the 10th of February, 2020. यह हाउस की आम सहमति बनी थी, आपने चेयर को सूचना दी थी, मैंने पुन: उसका उल्लेख किया।

The House stands adjourned till 11.00 a.m. on Monday, the 10th of February, 2020.

The House then adjourned at thirty-nine minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 10th February, 2020.